टुल्लू पंप नई ले सकन साहब, बने करेव जेन पानी आये के बेरा मा बिजली ला बंद करथो, नई ता हमन मन ला पानी नई मिलतीस, अब मिलथ हे भरपूर पानी, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के पेयजल के निरीक्षण के दौरान सुनंदा सहारे ने कहीं यह बातें

भिलाई नगर/ रोज कमाने खाने वाला गरीब अऊ मध्यम वर्गीय परिवार के आदमी हन साहब, टुल्लू पंप नई ले सकन, बने करेव जेन पानी आये के बेरा मा बिजली ला बंद करथो , नई ता हमन मन ला पानी नई मिलतीस , निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के पेयजल के निरीक्षण के दौरान सुनंदा सहारे ने यह बातें कही , वार्ड क्रमांक 46 की निवासी सुनंदा ने कमिश्नर को बताया कि पानी सप्लाई के दौरान विद्युत कटौती करने से टुल्लू पंप लगाने वाले टुल्लू पंप से पानी नहीं खींच पा रहे हैं , जिससे हमारे घरों तक पर्याप्त मात्रा में प्रेशर के साथ पानी पहुंचने लगा है, गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार होने के कारण टुल्लू पंप खरीदना हमारे लिए आसान नहीं है। जिनके पास टुल्लू पंप के लिए पैसे हैं वह खरीद कर पानी खींच लेते थे, पानी सप्लाई के दौरान ठीक समय पर विद्युत कटौती होने से सभी घरों में पर्याप्त और समान मात्रा में पानी मिल रहा है , श्रीमती सुनंदा ने पानी सप्लाई के दौरान विद्युत कटौती के निर्णय को सार्थक बताया। निगम आयुक्त ने लगभग 40 से 50 व्यक्तियों का फीडबैक लिया, आयुक्त यह जानना चाहते थे कि विद्युत कटौती के दौरान समान मात्रा में सभी को पानी मिल रहा है या नहीं यह देखने वे फील्ड पर ठीक विद्युत कटौती के समय प्रातः 6:30 बजे पहुंचे थे। वार्ड क्रमांक 38 एवं वार्ड क्रमांक 51 के भी कई क्षेत्रों का निगमायुक्त ने पेयजल को लेकर निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने पेयजल व्यवस्था को सुचारू रूप से जारी रखने अधिकारियों को निर्देश दिए हुए हैं , फील्ड पर हमेशा मुस्तैद रहने उन्होंने कहा है, गर्मी के दिनों में उन्होंने पानी देने के कार्य को पहली प्राथमिकता दी है, इसके लिए लगातार बैठक लेकर अधिकारियों को महापौर निर्देशित कर रहे हैं। खुर्सीपार में औद्योगिक क्षेत्र के गणेश मंदिर के पास निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने यह पाया की तेज कोक कंपनी के द्वारा केबल वाइंडिंग तथा जी आई वायर का निर्माण किया जाता है तथा कंपनी से निकलने वाले दूषित जल को कंपनी द्वारा खुले क्षेत्र में बहा दिया जाता है जिससे यह दूषित जल भूजल स्रोत में मिलकर आसपास के लगे क्षेत्रों के पेयजल स्रोत को दूषित कर सकता है। निगमायुक्त ने स्वयं भी दूषित पानी नाली में बहाते हुए कंपनी को पाया। आयुक्त श्री सर्वे ने कंपनी को नोटिस देने के निर्देश मौके पर अधिकारियों को दिए। वहीं उन्होंने इस संबंध में तेज कोक कंपनी के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल को भी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने समीपस्थ क्षेत्रों के कुछ जगह से सैंपल कलेक्शन करवाने के भी निर्देश अधिकारियों को मौके पर दिए और पानी की टेस्टिंग करवाने कहा। वार्ड क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान रहवासियों ने आयुक्त को यह फीडबैक दिया कि जहां-जहां पानी की पहले समस्या थी वहां पर अब विद्युत कटौती से पानी सभी क्षेत्रों में समान रूप से प्रेशर के साथ मिल रहा है। इस दौरान कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा , संजय बागड़े, सहायक अभियंता अखिलेश चंद्राकर, उप अभियंता नितेश मेश्राम, सुपरवाइजर वेंकट तथा चंदन शर्मा आदि मौजूद रहे।